BYJU'S EXAM PREP

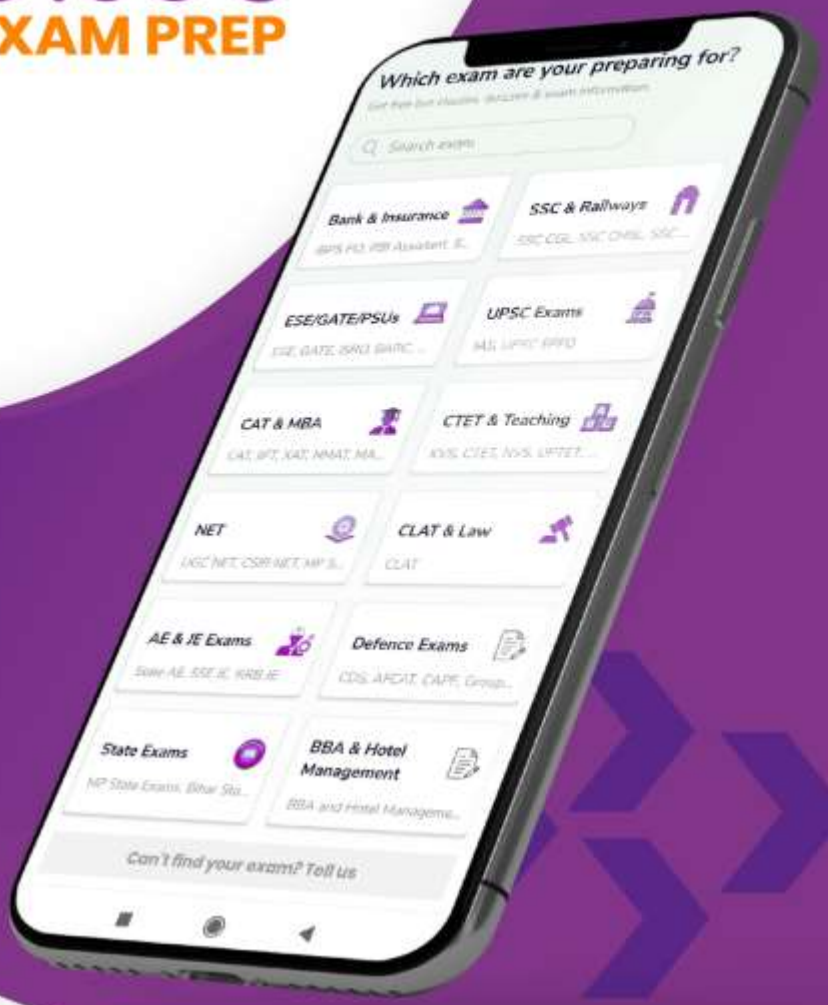

Chemistry Hydrogen Derivatives of Hydrocarbons Hindi PDF

https://byjusexamprep.com

GET IT ON Google Play

हायड्रोकार्बन के हाइड्रोजन संजात

इथाइल ब्रोमाइड:

- इस रसायन का कोई रंग नहीं होता, और इसका इस्तेमाल कार्बनिक संश्लेषण में चतना शून्य करने वाली (anaesthetic) औषधि के तौर पर किया जाता है।

क्लोरोफॉर्म ($CHCL_3$):

- इसका खोज व्यग्यनिक लीबिग ने लगाया, और इसका इस्तेमाल आपरेशन क समय मरीज़ को बेशुद्ध करने के लिए किया जाता है।
- इसे केवल गहरे रंग की शीशी में रखा जाता है, क्योंकि रोशिनी के संपर्क आते ही यह एक जहरीली गैस में तब्दील हो जाती है।
- इसका HNO_3 के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया कराने से क्लोरिप्सिन नमक जहरीली गैस पैदा होती है, जिसका इस्तेमाल युद्ध में किया जाता है।

कार्बन टेट्राक्लोराइड (CCL_4):

- इसका इस्तेमाल आग भुझाने वाले पदार्थ बनाने मे होता है। इसका वसा और तेल बनाने की प्रक्रिया में विलायक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

फ्रेयोन:

- मीथेन और इथेन के क्लोरोफ्लोरोकार्बन यौगिक को फ्रेयोन कहा जाता है।
- ये गैस फ्रिज, ऐ।सी मे बनती है।
- इस गैस से ओजोन लेयर को हानि पोहोंचती है।

डाईक्लोरो डाईफिनाइल ट्राइक्लोरो इथेन (DDT):

- इसकी खोज व्यग्यनिक पॉल म्युलर ने लगायी थी, और इसका इस्तेमाल कीटनाशक के तौर पर किया जाता है।
- यह स्थिर गैस है, और ये पर्यावरण में विघटित नहीं होती। इसलिए इस गैस पर कई देशों ने पाबन्दी लगा रखी है।

पी-डिक्लोरो बेंजीन:

- इसका इस्तेमाल कीटनाशक, कीट से बचाने वाली क्रीम और डिओडोरेंट के तौर पर किया जाता है।

परफ्लोरो कार्बन (PFC):

- इसे इन्सुलेटर, स्नेहक, अचालक, गर्मी हस्तांतरण के माध्यम के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

Join Our Classroom Program Now

अल्कोहल

मेथाइल अल्कोहल (CH_3OH):

- इसे वुड स्पीरिट या वुड नाफ्टा भी कहा जाता है।
- इसे अल्कोहल के अप्राकृतिकरण के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- इसे ईंधन, गाड़ियों में एंटीफ्रीज़र के तौर पर और दवाइयों के निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है।

इथाइल अल्कोहल (C_2H_5OH):

- इसे अल्कोहल, वाइन, अनाज का अल्कोहल भी कहा जाता है।
- रंग उद्योग में इसे विलायक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

इथलीन ग्लाइकोल:

- इसे गाड़ी के रेडियेटर को ठण्ड में जमने से बचाने के लिए और विमान को ठंडा रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- इसके डाईनाइट्रेट को ट्राईनाइट्रोग्लीसरीन के साथ विस्फोटक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

ग्लिसरॉल

- ये सभी जानवरों और वनस्पति तेलों में पाया जाता है।
- इसका स्वभाव कंक्रीट की तरह होता है, और इसका इस्तेमाल सौन्दर्य-प्रसाधन, साबुन, तथा गाड़ियों में स्नेहक के तौर पर किया जता है।

फिनॉल (C_6H_5OH):

- इसे आमतौर पर कार्बोलिक एसिड या बेंजेनोल भी कहते हैं, और इसे कोल् टार से प्राप्त किया जाता है।
- इसे सलोल, एस्पिरिन, सैलिसिलिक एसिड और फेनासेटिन जैसे दवाइयां बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

एल्डेहाइड

फॉर्मल्डेहाइड (HCHO)

- इसके 40% पतले द्रव्य को फोर्मलिन कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल कीटनाशक और जीव विज्ञान नमूनो के परिरक्षक के तौर पर किया जाता है।
- इसे चर्म उद्योग, रंग उद्योग में इस्तेमाल किया जाता है।

Join Our Classroom Program Now

असेटलडिहाइड (CH_3CHO)

- इसे शीशा, पेरलडिहाइड और मेटलडिहाइड बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- क्लोरल या ट्रिकलोराल असेटलडिहाइड
- ईसका नींद की गोलियों और उत्तेजक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

एक्रोलीन या एक्रेलडिहाइड

इसे आंसू गैस के तौर पर और मेथाइल क्लोराइड के रिसाव की जांच करने हेतु इस्तेमाल किया जाता है।

<u>कीटोन्स</u>

एसीटोन या डिमेथाइल कीटोन (CH_3COCH_3)

- ये कीटोन क्रम का पहला सदस्य है।
- इसे नेल पोलिश बनाने में इस्तेमाल किया जाता है
- पोटासियम हाइड्रोऑक्साइड के मौजूदगी में एसीटोन और क्लोरोफाइम की रासायनिक प्रतिक्रिया से हमें क्लोरोटोन प्राप्त होता है, जिसे दावा के तौर पर इस्तेमाल करते हैं।

<u>कार्बोक्सिलिक एसिड</u>

फोरमिक एसिड (HCOOH)

- ये लाल चीटियों में, मधु मक्खी के डांक में पाया जाता है।
- इसे छूने से चमड़ी पर फफोले पद सकते हैं।
- इसे फलों को परिपक्व करने में, गाउट के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है।

एसिटिक एसिड

- पतले एसिटिक एसिड को सिरके, और गाढे एसिटिक एसिड को वीलायक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।
- इसे किण्वन प्रक्रिया से बनाया जाता है।

ऑक्जेलिक एसिड

- इसे कपडे पर लगे श्याही के दाग को मिटने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- इसके नमक पोटैशियम फेरस ऑक्सालेट को फोटोग्राफी में इस्तेमाल किया जाता है।
- ये पोटासियम नमक के रूप में ऑक्जेलिक एसिड समूह के पौधों के फल और वनस्पति में पाया जाता है।

Join Our Classroom Program Now

लैक्टिक एसिड

- ये दूध में पाया जाने वाला मोनोहाइड्रोक्सी एसिड है।
- जब हम बोहोत ज्यादा श्रम करते है, तो हमारा शरीर लैक्टिक एसिड बनाता है, जिससे बदन दर्द करने लगता है।

टार्टारिक एसिड

- ये अंगूर में, इमली में पाया जाता है।
- इसे रंग बनाने और बेकिंग पाउडर बनाने के लिया इस्तेमाल करते हैं।
- इससे बनाय गए नमक, रोशेल साल्ट को फेहलिंग द्रव बनाने में इस्तेमाल करते है।

सिट्रिक एसिड

- ये नींबू के रस, संतरे के nरस में पाया जाता है।
- इसे पेय पदार्थ, रंग बनाने, और मुद्रण प्रक्रिया में इस्तेमाल किया जाता है।

सालीसायक्लिक एसिड

- ये जहरीली होती है और इसमें सड़न रोकने का गुण है।
- इसे ऐज़ो डाई बनाने और एस्पिरिन बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

एसेटोएसिटिक एसिड

- ये एक बेरंग द्रव्य है, इसको सड़ाने पर हमें एसीटोन और CO_2 मिलता है।
- ये अधिक मात्रा में मधुमेह के मरीजों की पेशाब में पाया जाता है।
- नाइट्रो यौगिक

नाइट्रोबेंजेन

- यह एक पीले तेल की तरह होता है जिसमें से खट्टे बादामों जैसी गंध आती है।
- इसे मीरबान का तेल भी कहा जाता है
- इसे ऐनिलीन, बेंजीडीन, 1, 3, 5-ट्राईनाइट्रोबेंजीन और ऐज़ोडाई बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

1, 3, 5 - ट्राईनाइट्रोबेंजीन या TNB

- ये TNT से भी ज्यादा घातक विस्फोटक है, और इसे विस्फोटक बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

ट्राईनाइट्रोटॉलीन (TNT)

- यह एक पीले रंग का ठोस क्रिस्टल है, जिसे टॉलीन, नाइट्रिक एसिड, सल्फुरिक एसिड के रासायनिक प्रक्रिया से बनाया जाता है।
- इसे विस्फोटक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

Join Our Classroom Program Now

BYJU'S EXAM PREP

Buy Test Series

Unlock All 650+ Mock Tests for SSC & Railway

- Unlimited Access
- All Exams covered
- Designed by Experts
- Performance Analysis

https://byjusexamprep.com